बिहार के एक गाँव ने वोट देने से इनकार किया

चर्चा में क्यों?

पिछले दो चुनावों से, **????? ?? ??????? ???? ?? ?????????** ने **[???? ???]** **?? ???? ????? ?? ?? ???? ?? ???? ?????? ??? ?? ???** के कारण सभी राजनीतिक दलों के खिलाफ आक्रोश में वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों और वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार किया।

इस वजह से खोखनाहा गाँव **???? 2024 ?? ?? ????? ??? ??? ???? ?? ?????** कर रहा है।

मुख्य बिंदु:

- कुछ वर्ष पूर्व कोसी नदी के करण **गाँव को भारी नुकसान पहुँचा** था और एक वर्ष पूर्व इसने गाँव तथा चार अन्य क्षेत्रों को सुपौल से अलग कर दिया था।
- ये **गाँव** अब **कोसी की दो धाराओं के बीच एक द्वीप पर** स्थित हैं। मानचित्र पर केवल 5 किलोमीटर दूर होने के बावजूद, **बुनियादी आवश्यकताओं के लिये सुपौल जाने में पूरा दिन लग जाता है।**
- कोसी बेल्ट के खोखनाहा और आस-पास के गाँवों के निवासी **सरकार द्वारा उपेक्षित महसूस** करते हैं।
- वे बार-बार आने वाली [बाढ़] को सहन करते हैं, जो उचित मुआवज़े या नदी को नियंत्रित करने के उपायों के बिना **उनके जीवन और आजीविका की तबाही** का कारण बनती है। इन क्षेत्रों में **बिजली और स्वास्थ्य सेवा जैसी आवश्यक सेवाओं का भी अभाव** है।

कोसी नदी

- **कोसी** एक सीमा-पार नदी है जो **तिब्बत, नेपाल और भारत से होकर बहती** है।
- इसका स्रोत तिब्बत में है जहाँ **विश्व की सबसे ऊँची भूमि** शामिल है, फिर यह नदी गंगा के मैदानी इलाकों में उतरने से पूर्व **नेपाल के एक बड़े हिस्से में प्रवाहित होती** है।
- इसकी तीन प्रमुख सहायक नदियाँ, **सुनकोशी, अरुण और तमूर हिमालय की तलहटी** से होकर गुज़रने वाली 10 किमी. गहरी घाटी के ठीक ऊपर एक बिंदु पर मिलती हैं।
- यह नदी **भारत के उत्तरी बिहार में प्रवेश** करती है, जहाँ यह **कटिहार ज़िले के कुरसेला के निकट** गंगा में मिलने से पूर्व सहायक नदियों में बदल जाती है।
- भारत में ब्रह्मपुत्र के बाद **कोसी सबसे अधिक मात्रा में गाद और रेत लाती है।**
- इसे **"बिहार का शोक"** भी कहा जाता है क्योंकि वार्षिक बाढ़ से लगभग 21,000 वर्ग किमी. का क्षेत्र कुप्रभावित होता है। जिससे उपजाऊ कृषि भूमि की कमी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो रही है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/village-in-bihar-refuses-to-vote